Prabhat Khabar (Date: - 5/09/2019)

सुविधा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पांच सड़कों का किया निरीक्षण

छह महीने में बिहटा-सरमेरा सड़क के निर्माण कार्य को पूरा करें : सीएम

संवाददाता ▷ पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना को जोड़ने वाली बिहटा-सरमेरा सड़क (एसएच-78) को मार्च, 2020 तक पूरा करने का निर्देश दिया है. राजगीर जाने और लौटने के क्रम में मुख्यमंत्री ने बुधवार को एसएच-78 का निरीक्षण किया. यह सड़क डुमरी से सरमेरा तक बन चुकी है, जबकि डुमरी से बिहटा एयरपोर्ट तक जमीन उपलब्ध है. मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव अमृत लाल मीणा को यहां छह महीने में सड़क बनाने का निर्देश दिया. डुमरी से बिहटा एयरपोर्ट तक काम पूरा होने के बाद बिहटा से सरमेरा तक पूरी सड़क तैयार हो जायेगी. मुख्यमंत्री ने चार अन्य सड़कों का भी जायजा लिया.

निरीक्षण के दौरान पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि एनएच-31 के चौड़ीकरण (फोरलेन) के लिए भूमि अधिग्रहण का काम शुरू हो चुका है. मुख्यमंत्री ने इसमें तेजी लाकर चौड़ीकरण जल्दी ● बाकी पेज 19 पर

डुमरी से बिहटा एयरपोर्ट तक उपलब्ध जमीन पर जल्द सड़क बनाने का दिया निर्देश

- राजगीर जाने व लौटने के क्रम में सड़क निर्माण का लिया जायजा
- एनएन-31 को फोरलेन करने का काम जल्द शुरू करने का निर्देश

पटना से राजगीर की दूरी और होगी कम, तेलमर से नूरसराय तक 20 किमी लंबी बनेगी नयी सड़क

सीएम ने निरीक्षण के दौरान पटना से राजगीर के बीच शॉर्टेस्ट और फास्टेस्ट कनेक्टिविटी के लिए पटना-बख्तियारपुर फोरलेन में एक नये एलाइनमेंट की मंजूरी दी. उन्होंने तेलमर होते हुए नूरसराय तक 20 किमी लंबा और 10 मीटर चौड़ी नयी सड़क के एलाइनमेंट पर जल्द निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया. उन्होंने 60 करोड़ रुपये से रामघाट से डियावां तक 20 किमी लंबी और साढ़े पांच मीटर चौड़ी बन रही सड़क का भी निरीक्षण किया. इसे जून, 2020 तक पूरा करने का निर्देश दिया.

दनियावां, हरनौत व बाढ़ बाइपास चार महीने में पूरा करने का निर्देश

मुख्यमंत्री ने फतुहा-दनियावां-हरनौत-बाढ़ तक 71 किमी लंबे एनएच-30ए का भी जायजा लिया. उन्होंने कहा कि यह 65 किमी तक बनकर तैयार है. बाकी बचे हुए छह किमी हिस्से के अलावा दनियावां बाइपास, हरनौत बाइपास व बाढ़ बाइपास को भी चार महीने में पूरा करने का निर्देश दिया.

नबीनगर थर्मल से मिलेगी 660 मेगावाट बिजली, उद्घाटन कल

- बिहार को मिलेगी 517 मेगावाट बिजली
- केंद्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री आरके सिंह करेंगे शुभारंभ

पटना. औरंगाबाद जिले के नबीनगर बिजलीघर के यूनिट-1 से शुक्रवार से 660 मेगावाट बिजली कॉमर्शियल उपयोग के लिए मिलने लगेगी. इस यूनिट से बिहार को 517.5 मेगावाट बिजली मिलेगी. इसका शुभारंभ केंद्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आरके सिंह करेंगे. समारोह की अध्यक्षता राज्य के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव करेंगे. इस दौरान एनटीपीसी के सीएमडी गुरदीप सिंह, ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत, औरंगाबाद के सांसद सुशील कुमार सिंह, काराकाट के सांसद महाबली सिंह, नबीनगर के विधायक बीरेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहेंगे. इस यूनिट का 72 घंटे तक अगस्त महीने में ट्रायल किया गया था. यह ट्रायल सफल रहा था. नबीनगर में 660 मेगावाट वाले तीन यूनिट लगाये जा रहे हैं. इन सभी से 1980 मेगावाट बिजली का ● बाकी पेज 19 पर

Prabhat Khabar (Date: - 5/09/2019)

सौगात. प्रथम चरण में 600 बेडों का बनेगा छह मंजिला भवन

2500 बेडों का होगा एनएमसीएच

- मेडिसिन व शिशु वार्ड के लिए होंगे बेड
- 100 बेडों के एमसीएच विंग का चल रहा निर्माण
- मरीजों की संख्या बढ़ने पर अस्पताल प्रशासन ने बनायी सुविधा देने की योजना

प्रतिनिधि ▷ पटना सिटी

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल अब 2500 बेड का होगा. प्रथम चरण में छह मंजिला भवन 600 बेड का बनेगा, जिसमें मेडिसिन व शिशु वार्ड की व्यवस्था होगी.भवन के निर्माण का कार्य जल्द आरंभ हो जायेगा. दरअसल मेडिकल कॉलेज व अस्पतालों के विस्तारीकरण के तहत स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे व स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार के निर्देश पर बुधवार को कॉलेज के प्राचार्य डॉ विजय कुमार गुप्ता ने समीक्षा बैठक में यह फैसला लिया. प्राचार्य ने बैठक में लिये गये निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि मेडिसिन व शिशु रोग विभाग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भवन के पीछे छह मंजिले भवन का निर्माण होगा. भवन निर्माण होने के उपरांत इसमें 400 बेड मेडिसन व 200 बेड शिशु रोग विभाग के लिए होगा. इसी छह मंजिले भवन में गायनी, ऑर्थो व शिशु केआउटडोर की व्यवस्था ग्राउंड फलोर पर होगी.

समीक्षा बैठक करते कॉलेज के प्राचार्य डॉ विजय कुमार गुप्ता व अन्य चिकित्सक.

आइ बैंक का निर्माण कार्य शुरू 800 बेडों का बनेगा छात्रावास

प्राचार्य ने बताया कि अस्पताल में आइ विभाग के निकट आइ बैंक का निर्माण कराया जा रहा है. बैंक के बन रहे भवन में ऊपर में वार्ड बनाने पर विचार हुआ. यूजी व पीजी के विद्यार्थियों के लिए 800 बेड के छात्रावास का निर्माण का प्रस्ताव रखा गया. अस्पताल के अधीक्षक डा चंद्रशेखर, उपाधीक्षक डॉ गोपाल कृष्ण, महिला व प्रसूति विभाग की अध्यक्ष डॉ रेणु रोहतगी, मेडिसन के विभागाध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद, शिशु रोग के विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार सिंह, ऑर्थो विभाग के एचओडी डॉ एस के सिन्हा के साथ बीएमएसआइसीएल के जीएम संजीव रंजन व डॉ राय के अलावा कई चिकित्सक उपस्थित रहे.

एनएमसीएच में दो और दवा काउंटर खोले गये

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आये मरीजों को अब दवा पाने के लिए परेशानी नहीं होगी. अस्पताल प्रशासन ने बुधवार से दो और काउंटर बढ़ा दिया है. अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ गोपाल कृष्ण ने बताया कि अब चार काउंटरों से मरीजों को दवा मुहैया करायी जायेगी .चार काउंटरों में वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए एक काउंटर, एक काउंटर पुरुष मरीजों व दो काउंटर महिला मरीजों के लिए होगा .अब मरीजों को दवा पाने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा.

एमसीएच विंग का हो रहा है निर्माण

प्राचार्य ने बताया कि 100 बेड का एमसीएच विंग का निर्माण कराया जा रहा है. इसमें प्रसव व नवजात बच्चों के हेल्थ संबंधी महिलाओं व बच्चों के इलाज की व्यवस्था रहेगी. नवजातों के लिए 10 से 15 बेड के नीकू का भी निर्माण कराया जायेगा. इतना ही नहीं साथ ही लेवर रूम, ऑपरेशन थियेटर व अन्य वार्ड ऑब्सट्रेटिक के लिए रहेंगे. इसमें मदर एंड चाइल्ड केयर की सुविधा मिलेगी. शिशु रोग विभाग में चमकी बुखार व अन्य बीमारियों को को देखते हुए पीकू में 40 से 50 अतिरिक्त बेड लगाये जायेंगे. प्राचार्य ने बताया कि मेडिसन विभाग में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रधान सचिव के निर्देश पर 380 बेडों के अतिरिक्त भवन का निर्माण कराया जायेगा. इसमें आइसीयू के बेड भी होंगे. अस्पताल में मरीजों की संख्या को देखते हुए एक ओपीडी भवन का प्रोजेक्ट बनाकर सरकार को भेजने पर भी चर्चा हुई. इतना ही नहीं कम- से- कम रजिस्ट्रेशन के लिए 20 काउंटर व दवा वितरण केंद्र के लिए 20 काउंटर कराने के साथ वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए अलग काउंटर बनाने के साथ आउटडोर के बाहर करीब 150 मरीजों की बैठने की व्यवस्था होगी. इस पर भी चर्चा हुई. इन सारी सुविधाओं के बहाल हो जाने पर एनएमसीएच में इलाज कराने आनेवाले मरीजों को काफी सहूलियत होगी.

Prabhat Khabar (Date: - 5/09/2019)

परिवहन विभाग में 767 पदों पर होगी भर्ती

सरकार तय करेगी राज्य में किस रूट पर कितने चलेंगे ऑटो

संवाददाता ▷ पटना

राज्य में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रोड सेफ्टी के प्रावधानों को कड़ाई से लागू किया जायेगा. सरकार सभी सड़कों का ऑडिट करा रही है. इसी आधार पर डिवाइडर, फुटपाथ व ओवरब्रिज का निर्माण कराया जायेगा. राज्य में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों में अगले तीन साल में 50 फीसदी कमी लाने की नीति तैयार की गयी है. 31 मार्च तक रोड सेफ्टी ऑडिट कर लिया जायेगा. शनिवार को राज्य में विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया जायेगा. परिवहन विभाग में 767 पदों पर भर्ती होगी. 212 प्रवर्तन अवर निरीक्षक, 496 चलंत दस्ता सिपाही, 59 मोटरयान निरीक्षक की भर्ती होगी. इसकी प्रक्रिया जारी है. सभी रूट पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा उपलब्ध रहे इसके लिए ऑटो व अन्य वाहनों की संख्या निर्धारित की जायेगी. इसके लिए पार्षदों की सलाह ली जायेगी. 10711 लोगों को सीएम परिवहन योजना का लाभ दिया गया है. बुधवार को सूचना भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर परिवहन मंत्री संतोष कुमार निराला ने बताया कि प्रदेश को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए सरकार कड़े कदम उठाने जा रही है. समय सीमा के अंदर इसे पूरा करने के लिए प्रदूषण जांच केंद्रों की संख्या बढ़ायी जायेगी. इ-रिक्शा खरीद में बिहार पहले नंबर पर है.

रोड सेफ्टी को लेकर होगा ऑडिट

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते परिवहन मंत्री संतोष कुमार निराला.

खास बातें

- पटना पुलिस की मोबाइल संख्या **9939919191** पर ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की जानकारी दे सकते हैं
- हर बीस मिनट पर पटना के ट्रैफिक की जानकारी एफएम पर दी जायेगी
- पेट्रोलिंग के लिए 116 वाहन, इतनी ही एंबुलेंस की जरूरत, 70 रूटों पर क्रैश रेस्क्यू व्हीकल्स की जरूरत
- 21 जिलों में जिला परिवहन केंद्रों का निर्माण पूरा, 14 में निर्माण जारी, पटना व गया में भूमि की तलाश

सात सितंबर से वाहन नंबर की नीलामी

परिवहन सचिव संजय अग्रवाल ने बताया कि सात सितंबर से वाहन नंबर की नीलामी होने लगेगी. मनपसंद नंबर को शुल्क देकर एडवांस में भी बुक कराया जा सकेगा.

सीएनजी वाहन दौड़ाने की योजना

संजय अग्रवाल ने बताया कि बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए सीएनजीयुक्त वाहनों के परिचालन को बढ़ावा दिया जायेगा. पुराने वाहनों में मॉडल और वेरिएंट के अनुसार आठ कंपनियों को राज्य में सीएनजी किट लगाने के लिए अधिकृत किया गया है. पटना में पांच स्थानों पर 25 से 32 हजार में किट फिटमेंट कराया जा सकता है. गेल की मदद से पटना से दिल्ली तक सीएनजी वाहन दौड़े, इस दिशा में काम कर रहे हैं. 15 अक्तूबर तक पटना में तीन नये सीएनजी पंप खोल दिये जायेंगे. परिवहन मंत्री और सचिव ने उन लोगों को सम्मानित किया, जिन्होंने अपने पुराने वाहनों में सीएनजी किट फिट कराया है.